Monthly Newsletter of Maharishi Organisation, India
महर्षि संवत्सर 109 • विक्रम संवत्सर 2083 • भाद्रपद कृष्ण पक्ष 3 • सोमवार 31, अगस्त 2026

MAHARISHI WORLD

e-Gyan

• KNOWLEDGE • WISDOM • ENLIGHTENMENT

Volume - 207 | August 2026

e-mail - cpr@mssmail.org website - www.e-gyaan.net

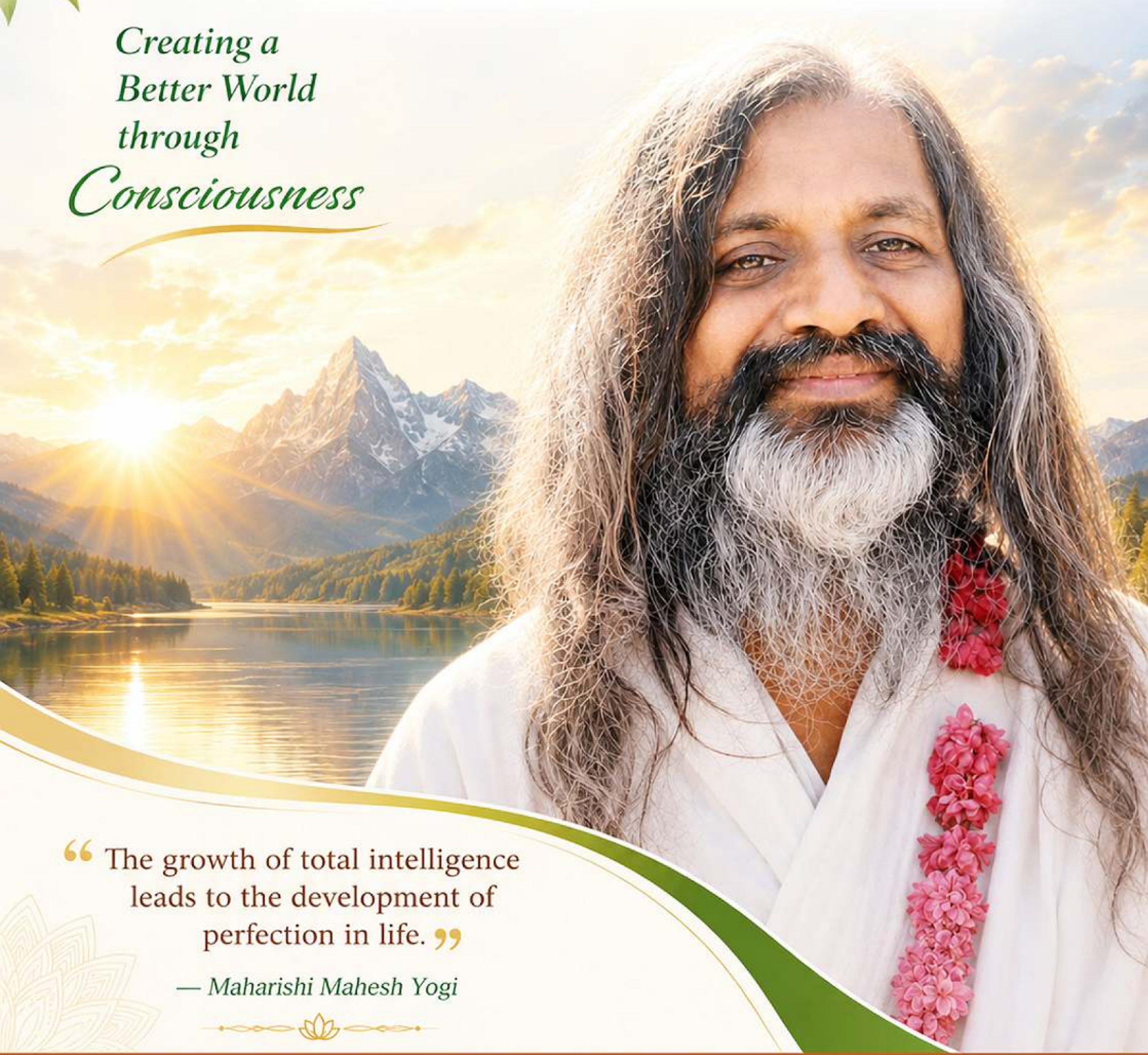

Creating a Better World through Consciousness

"The growth of total intelligence leads to the development of perfection in life."

— *Maharishi Mahesh Yogi*

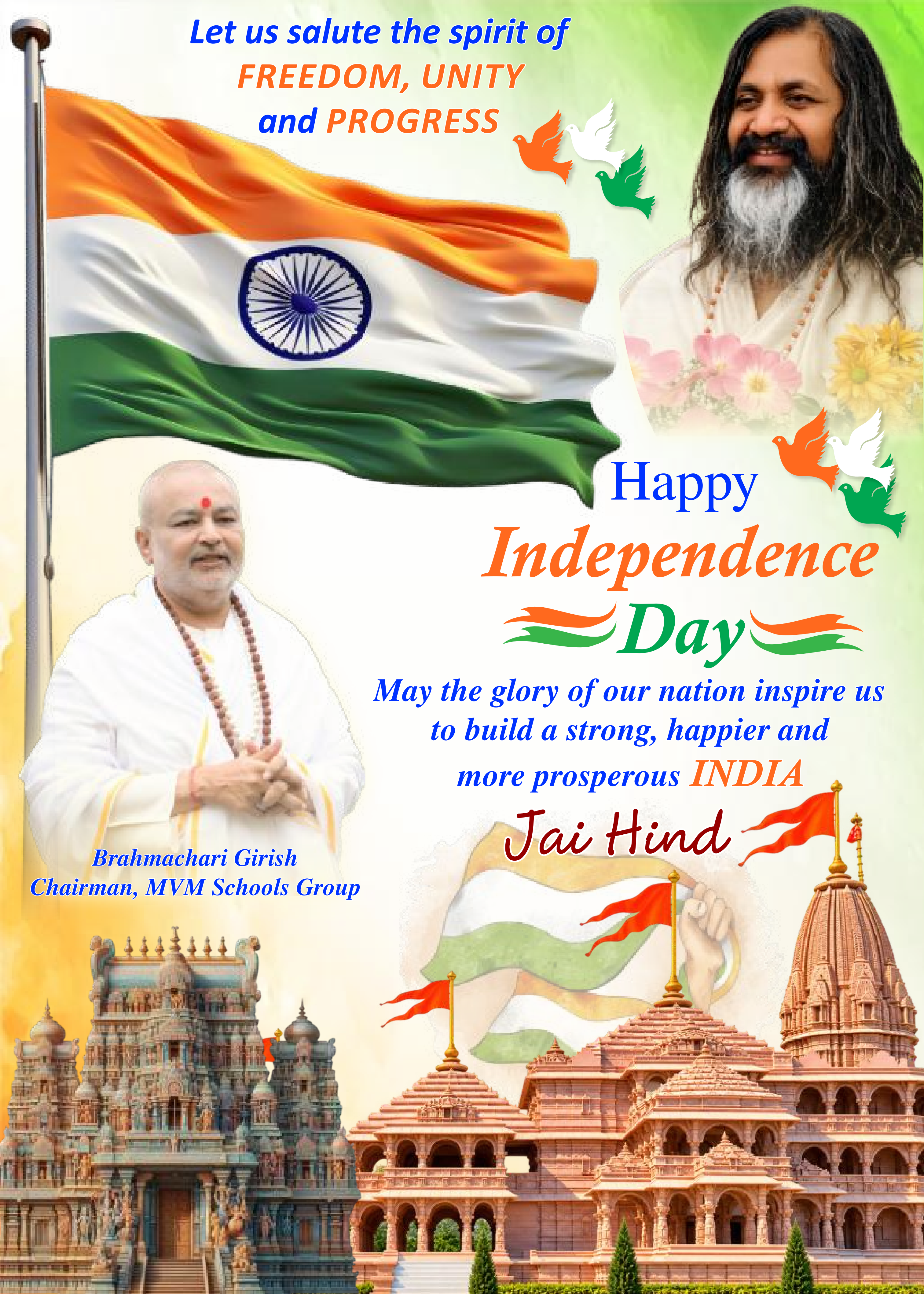
Let us salute the spirit of
FREEDOM, UNITY
and PROGRESS
Happy
Independence
Day
May the glory of our nation inspire us
to build a strong, happier and
more prosperous INDIA
Jai Hind
Brahmachari Girish
Chairman, MVM Schools Group

श्रद्धांजलि

पूजनीय सुश्री वीणा रानी वर्मा 'बीनू दीदी'

स्नेह • सेवा • साधना • समर्पण

जन्म 12 फरवरी 1956 – निर्वाण 9 अगस्त 2026

जीवन-यात्रा के प्रमुख चरण

1976

महर्षि संस्थान में सेवा का प्रारम्भ

1978

भावातीत ध्यान शिक्षिका प्रशिक्षण प्राप्त

50 वर्ष

महर्षि संस्थान एवं महर्षि विश्व शांति आंदोलन के प्रति समर्पित सेवा

श्रद्धांजलि – संदेश

अनन्त श्री विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज शंकराचार्य, ज्योतिष्पीठ बद्रिकाश्रम हिमालय

ब्रह्मचारी गिरीश जी की बहन जी का गिरीश जी के प्रति वात्सल्य भाव भी था और गिरीश जी की प्रत्येक क्षण की गतिविधि को समझती रहती थीं।

बहन जी मुझको भी बहुत मानती थीं। बहन जी बहुत ही सात्विक, बहुत ही भावुक, बहुत ही धर्मनिष्ठ थीं। मैं जब भी भोपाल जाता था, हमारी व्यवस्था में कोई कमी नहीं रह जावे, इसका वह पूर्ण ध्यान रखती थीं। हम उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि भी समर्पित करते हैं और गिरीश जी के प्रति ये भावना करते हैं कि उनका स्वभाव उसी प्रकार से रहे और भगवान उनकी बहन जी के न रहने के कष्ट को सहन करने की शक्ति प्रदान करें, यही हम आशा रखते हैं

प्रोफेसर भुवनेश शर्मा

(पूर्व कुलगुरु, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय)

बीनू दीदी एक वरिष्ठ भावातीत ध्यान शिक्षिका, सिद्धि शिक्षिका थीं और निश्चित रूप से उनका जीवन काफी सादगीपूर्ण और महर्षि जी के सिद्धांतों को उन्होंने अपने जीवन में जिया था। वो सरलहृदया थीं और साथ ही साथ सभी के प्रति आदर का भाव रखती थीं।

उनका निधन संस्था के, महर्षि संस्था के लिए विशेष तौर पर एक बड़ी हानि है और निश्चित रूप से ही जगत् जननी पराम्बा उनको अपने चरणों में स्थान दें, ऐसी हमारी उनके प्रति प्रार्थना है। उनके प्रति हम लोगों की भावभीनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित है। जय गुरुदेव।

डॉ. प्रकाश चन्द्र जोशी

(उपाध्यक्ष, महर्षि शिक्षा संस्थान)

हम सभी के लिए परम आदरणीय ब्रह्मचारी गिरीश जी की ज्येष्ठ बहन एवं मेरे लिए छोटी बहन के समान प्रिय सुश्री वीणा रानी वर्मा, बीनू जी का गोलोक गमन अत्यंत पीड़ादायक है। मेरे पूरे परिवार के साथ उनका सदैव अत्यंत स्नेहपूर्ण एवं आत्मीय संबंध रहा।

बीनू जी एक अत्यंत स्नेहमयी, सरल, आत्मीय एवं गरिमामयी व्यक्तित्व थीं। वे परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की अत्यंत समर्पित शिष्या एवं उनकी शिक्षाओं की दृढ़ अनुयायी थीं। महर्षि जी के ज्ञान, ध्यान एवं चेतना के विज्ञान के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा और निष्ठा उनके जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी।

मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें तथा परम आदरणीय ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं समस्त शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति, धैर्य एवं शांति प्रदान करें।

श्रीमती रीता प्रकाशम

(पूर्व सयुंक्त निदेशक संचार एवं जनसम्पर्क, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह)

आज हम सब की प्रिय वीणा दीदी को श्रद्धांजलि देते हुए मन बहुत भावुक है। कुछ रिश्ते शब्दों से नहीं, बल्कि स्नेह, अपनापन और अनगिनत सुंदर यादों से बने होते हैं। वीणा दीदी मेरे लिए ऐसा ही एक रिश्ता थीं।

उन्होंने महर्षि जी के सानिध्य में रहकर भावातीत ध्यान का प्रचार–प्रसार देश–विदेशों में किया। आज आप हमारे बीच भले ही नहीं हैं, लेकिन हमारे दिलों में आपका स्थान हमेशा बना रहेगा। ईश्वर से विनम्र प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और हम सभी को, पूरे महर्षि परिवार को तथा ब्रह्मचारी गिरीश जी को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।

श्री अजय ग्रोवर

(मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चेयरमैन, हिल्टन गार्डन होटल, जबलपुर)

बीनू दीदी मेरी बड़ी बहन थीं। उनकी बहुत सारी स्मृतियाँ मेरे मन में हैं क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से देखा है। उनका साथ वर्षों से रहा है क्योंकि गिरीश भैया का परिवार और हम लोग पड़ोसी थे। उनकी स्मृतियाँ, उनकी यादें, उनका आशीर्वाद, उनका मार्गदर्शन मुझे हमेशा याद रहेगा।

व्हाट्सएप तो वो रोज हमें कुछ–ना–कुछ भगवान, महर्षि जी, गुरुदेव से संबंधित अच्छी बातें भेजती थीं। इतनी तबीयत खराब होने के बावजूद भी उन्होंने कभी भूला नहीं हमको। उनका मार्गदर्शन हम सब को था, आशीर्वाद था, स्नेह था, प्यार था।

भगवान से प्रार्थना है, गुरुदेव से प्रार्थना है, महर्षि जी से प्रार्थना है कि बीनू दीदी को श्री चरणों में स्थान दें।

श्री विजय रत्न खरे

(निदेशक संचार एवं जनसम्पर्क, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह)

परम आदरणीया बीनू दीदी जी के देवलोक गमन से हम सब अत्यंत दुखद स्थिति में हैं।

परम पूज्य महर्षि जी के निर्देशानुसार बीनू दीदी जी महर्षि महिला ध्यान विद्यापीठ के कार्यक्रमों को बहुत आगे बढ़ाने का कार्य कर रही थीं। उनके निर्देशन में विद्यापीठ के कार्यकर्ताओं ने बहुत अधिक सफलताएँ प्राप्त की थीं। वे भावातीत ध्यान एवं सिद्धी शिक्षिका भी थीं। उन्होंने कई महिलाओं को भावातीत ध्यान सिखाया, सिद्धी सूत्र सिखाए और उनके जीवन में आनंद की अनुभूति स्थापित की। अब हम सबका यही कर्तव्य है कि आदरणीय ब्रह्मचारी गिरीश जी के माध्यम से बीनू दीदी जी के जो कार्य अधूरे रह गए हैं, उनको पूर्ण करने का पूरा प्रयास करें। यही बीनू दीदी जी को हम सब की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्री यतीश सक्सेना

(अपर निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह)

महर्षि शैक्षणिक समूह के माननीय अध्यक्ष, ब्रह्मचारी गिरीश चन्द्र वर्मा जी की मातृ–तुल्य बड़ी बहन, पूजनीय सुश्री वीणा वर्मा जी, जिन्हें हम सभी बड़े आदर एवं प्रेमपूर्वक बीनू दीदी पुकारते थे, का न केवल कार्यक्षेत्र बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी मुझे सदैव पूजनीय बीनू दीदी का ममतामयी एवं प्रेममयी मार्गदर्शन मिलता रहा। उन्होंने भावातीत ध्यान और सिद्धि कार्यक्रम को पूरे समर्पण के साथ आत्मसात किया और विश्व शांति के अभियान में जीवन भर अपनी सक्रिय सहभागिता दी। उनकी पावन एवं दिव्य स्मृतियाँ एवं अविस्मरणीय व्यक्तित्व सदैव हम सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा और हमें अपने कर्तव्य पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

मैं पूजनीय बीनू दीदी को अत्यंत विनम्रतापूर्वक अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ एवं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें।

डॉ. श्रीकान्त अगस्ती

(अपर निदेशक सामान्य प्रशासन, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह)

बीनू दीदी बहुत ही स्नेही स्वभाव की थीं। उन्होंने हमेशा हमारा बहुत ख्याल रखा। दीदी स्वयं बहुत अच्छी भावातीत ध्यान शिक्षिका थीं। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। कई बार उन्होंने महर्षि जी का ज्ञान भी हमारे साथ साझा किया। छोटी–छोटी बातों में भी उनका अपनापन और स्नेह दिखता था। वे स्वयं फोन कर सम्बंधित व्यक्ति को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ देती थीं। यह उनकी संवेदनशीलता और लोगों के प्रति स्नेह को दर्शाता है।

आज दीदी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका स्नेह, उनकी यादें, उनका मार्गदर्शन सदैव हमारे साथ रहेगा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उन्हें शांति प्रदान करें और उनके बताए मार्ग पर चलने की हमें शक्ति प्रदान करें। मेरी उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

श्रीमती अनुराधा अगस्ती

(संगीत शिक्षिका, महर्षि विद्या मंदिर, नोएडा)

दीदी बहुत ही प्यारी और आदर्श व्यक्तित्व वाली व्यक्ति थीं। हमारे लिए तो वह एक प्रेरणा स्रोत रहीं। उनसे किसी भी विषय पर बात कर लो, वो सोच–समझकर बहुत उचित सलाह हमें देती थीं, जो हमें बहुत अच्छी लगती थीं।

उनका अपनापन, स्नेह और देखभाल करने का स्वभाव मेरी स्मृति में हमेशा रहेगा। वो आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका स्नेह हमेशा मेरे हृदय में रहेगा।

श्री राम देव दुबे

(संयुक्त निदेशक, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह)

आदरणीय बीनू दीदी जी की स्मृतियाँ सदैव हमारे दिलों में रहेंगी। मुझे बचपन से ही उनके साथ काम करने का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ। चाहे प्रशासन का क्षेत्र हो या चाहे अन्य क्षेत्र हों उन्होंने सदैव हमको कुछ ना कुछ सिखाया। ये सब मेरे जीवन में सदैव काम आ रहे हैं।

दीदी जी का स्नेह सदैव एक बड़ी बहन के रूप में रहा। हमारे सुख और दु:ख में सदैव साथ रहती थीं। उनके साथ देश और विदेशों में भी यात्राएँ करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैं तो नया था, विदेश में कभी गया नहीं था। कैसे एक–एक चीज का ख्याल रखना चाहिए यात्राओं में, क्या चीज रखनी चाहिए, क्या नहीं रखना चाहिए, क्या सावधानी बरतनी चाहिए, उनसे सिखाया, जो एक अद्भुत अनुभव रहा।

महर्षि संस्थान को जो उनके जाने के बाद क्षति हुई है, उसकी भरपाई करना बड़ा मुश्किल है। उनके द्वारा महर्षि संस्थान को जो योगदान दिया गया, वो बहुत सराहनीय है।

मैं भगवान नारायण से यही प्रार्थना करता हूँ कि आदरणीया दीदी जी को अपने श्री चरणों में, अपने श्री धाम में स्थान प्रदान करें।

श्री विपिन द्विवेदी

(निदेशक, यूनिक इंफोटेक)

पूजनीय वीणा दीदी, जिन्हें हम सब प्यार से बड़ी दीदी कहकर बुलाया करते थे, दुर्भाग्यवश इसी 9 अगस्त को वो हम सबको छोड़कर एक अनंत यात्रा पर चली गई हैं।

मेरा यह मानना है कि हमारे जीवन में से अपने बड़ों का चला जाना हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति, बहुत बड़ा दु:ख है। क्योंकि उनका, जो बड़ों का स्नेह और मार्गदर्शन होता है, वो दूसरा व्यक्ति हमें कभी नहीं दे सकता। और दीदी तो सच में बहुत सरल स्वभाव की थीं। उन्होंने हमेशा सबका एक माँ जैसा ही ध्यान रखा और हमारे लिए वो माँ स्वरूप ही थीं। हम लोग तो बचपन से लेकर और आज तक उनकी ही छत्रछाया में रहे, उनके ही मार्गदर्शन में रहे।

इसलिए मैं भगवान श्री हरि से यही प्रार्थना करता हूँ कि दीदी जहाँ भी रहें, प्रसन्न रहें और श्री हरि भगवान विष्णु उनको अपने चरणों में स्थान दें।

श्रीमती आर्या नन्दकुमार

(संयुक्त निदेशिका, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह)

मैं वीणा दीदी को पिछले 16 सालों से जानती हूँ। इतने लंबे समय में मैंने उन्हें हमेशा एक बहुत ही प्यारी, शांत और नेक दिल इंसान के रूप में देखा। वह हर परिस्थिति में दूसरों की मदद करने और उनका साथ देने के लिए हमेशा तैयार रहती थीं।

उनकी बातें, उनकी सीख और उनसे जुड़ी 16 वर्षों की यादें मेरे दिल में हमेशा रहेंगी। मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करती हूँ कि आदरणीया दीदी जी को अपने चरण कमलों में स्थान प्रदान करें।

गुरु ही चेतनावान बनाते हैं

ब्रह्मचारी गिरीश जी, अध्यक्ष,
महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास में आती है। वैसे तो पूर्णिमा प्रत्येक महीने होती है, किंतु आषाढ़ की पूर्णिमा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि उस दिन भारत में गुरुपूर्णिमा मनाई जाती है। उस दिन चन्द्रमा बादलों से घिरा रहता है और यह काव्यात्मक घटना है। श्रीगुरु में ऐसी अथाह करुणा होती है कि वे अपने शिष्यों के पूरे अंधेरे को पी जाते हैं और बदले में उन्हें अपना शीतल उजाला देते हैं। व्यास पूजा, अर्थात गुरु पूर्णिमा शिष्यों और साधकों के जीवन में एक दिव्य तिथि होती है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि क्या हमने सच्चे शिष्य होने का धर्म निभाया? क्या हमने अपने श्रीगुरु के वचनों का पालन किया, उनके ज्ञान को अपने जीवन में उतारा? यह पर्व आत्म–परीक्षण का अवसर देता है। एक सच्चा साधक जानता है कि जीवन मात्र भौतिक सुखों को इकट्ठा करने के लिए नहीं है। यह जीवन धर्म को समझने, उसे जीने और फिर धर्मपूर्वक अर्जित धन से संसार का संचालन करने के लिए मिला है। विवेक और वैराग्य के जागरण के लिए मिला है। गृहस्थ जीवन जीते हुए भी साधक सजग रह सकता है। विवाह करें, परिवार बनाएँ, पर स्मरण रहे कि शरीर और उससे जुड़े सुख नश्वर हैं। इसलिए भोग में लिप्त होकर चेतना को गिरने न दें। विशेषकर गृहस्थ के लिए यह जागरूकता अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि वह रोज संसार, बाजार और भोगवाद से घिरा होता है। वहीं यदि साधना प्रबल हो, तो वही गृहस्थ उत्तम साधक बन जाता है। शिष्य वही है, जो साधना करता है। चाहे वह कितना भी व्यस्त हो, उसके अंदर एक आनंद, साधना की महक, सुख बना रहता है। जो प्रातःकाल ध्यान करे और सायंकाल जप, वह अपने जीवन की दिशा को सार्थक करता है। जो कभी ध्यान, प्राणायाम और सिमरन न करे, ऐसा व्यक्ति गुरु–शिष्य परंपरा का अंग नहीं हो सकता। जब शिष्य ही न रहे, तो गुरु की उपस्थिति

का क्या अर्थ? संपूर्ण सृष्टि के प्रथम गुरु महादेव हैं। ज्ञान की यह परंपरा महादेव से चली और ऋषि वेदव्यास तक पहुँची। वेदव्यास ने वेदों को चार भागों में संहिताबद्ध किया, ब्रह्मसूत्र की रचना की, श्रीमद्भग्वद्गीता का भाष्य किया और वेदांत के प्रति श्रद्धा जगाई। संपूर्ण भारत में भ्रमण कर उन्होंने ऋषियों व आचार्यों को तैयार किया और उन्हें निर्देश दिया कि अपने–अपने क्षेत्रों में वह ज्ञान की धारा फैलाएँ। इसलिए गुरु पूर्णिमा, ऋषि वेदव्यास को समर्पित है। इस दिन हम उनको और समस्त ऋषियों–मुनियों, ऋषिकाओं, योगियों और योगिनियों को स्मरण करते हैं। हम उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं और याचना करते हैं कि हम भी उनके पदचिह्नों पर चल सकें। यह तभी संभव है जब शिष्य समर्पित भाव–दशा में हो। वह गुरु के प्रति झुका हुआ, अनुग्रह से लबालब हो, क्योंकि यह प्रेम का आदान–प्रदान है, बुद्धि का नहीं। गुरु से कोई कुतर्क नहीं किया जाता। शिष्यत्व ऐसी बात है, जो आप जीवन भर कर सकते हैं। शिष्य न मात्र आध्यात्मिक अर्थों में बनना है, वरन जीवन के प्रत्येक कदम पर हमें कुछ न कुछ सीखते रहना है। अनंत लोग भरे पड़े हैं, अनंत घटनाएँ घट रही हैं। आप सजग रहें और आपमें अहंकार की अकड़ न हो, तो बहुत कुछ सीख सकते हैं, सिखाने वाला छोटा बच्चा भी हो सकता है, कोई चींटी हो सकती है या कोई शिक्षक। हर घटना कुछ न कुछ सिखा सकती है, किंतु उसके लिए शिष्य होना आवश्यक है और वह बड़ी कठिन बात है। मनुष्य को सीखने के लिए जो विनम्रता, चित्त की सरलता चाहिए, जो सीखने को तैयार है, उसे अपनी अस्मिता और अहंकार को छोड़ देना पड़ता है, क्योंकि अहंकार सीखने न देगा। अहंकार आपको बदलने न देगा। अहंकार अपने से ऊपर किसी को रखने को कभी राजी ही नहीं है। सीखने को वह तैयार है, जिसने यह अनुभव कर लिया है कि अब तक अपने आप अनेक उपाय किए, पर कुछ भी सीख न पाया। सीखने को वही तैयार है, जिसने देख लिया अपने हृदय के गहन अंधकार को। जिसने देख लिया कि मैं अपने जीवन को मात्र उलझा रहा हूँ, सुलझा नहीं रहा, बल्कि जितना सुलझाने की प्रयास करता हूँ, बात और उलझती चली जाती है। ऐसे पीड़ा के क्षणों में, ऐसी संताप की अवस्था में अपनी परिस्थिति को पूरा–पूरा देखकर शिष्यत्व का जन्म होता है।

गुरु तो सदैव उपस्थित है, सीखने वाले नहीं होते। भारत में बड़ी पुरानी लोकोक्ति है कि जब सतयुग था, तब गुरु की इतनी आवश्यकता न थी, किंतु कलियुग में गुरु की बड़ी आवश्यकता होगी। आखिर इसका क्या कारण है!... हम किस अनुसार से बाँटते हैं संसार को? सतयुग कहते हैं उस समय को, जब लोग बड़े सचेत थे, सावधान थे। और कलियुग कहते हैं उस युग को, जब लोग सोए हुए हैं, मूर्छित हैं। अतः स्वयं को चेतनावान बनाने के लिए परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी ने भावातीत ध्यान योग को प्रतिपादित किया। भावातीत ध्यान योग का नियमित रूप से प्रतिदिन प्रातः एवं संध्या के समय 15 से 20 मिनट का अभ्यास आपकी मूर्छा का हरण कर आपको चेतनावान बनाने का प्रयास रहित माध्यम है।

Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji performed the sacred

Maharudrabhishek

For invoking the divine blessings of Lord Shiva

On the fourth and final Monday of the holy month of Shravan on 24 August 2026, a grand Maharaudrabhishek Yagya was performed with Vedic mantras by 121 Vedic Pandits and Acharyas at Gurudev Brahmanand Saraswati Ashram in Bhopal, with the sacred sankalpa for the wellbeing and happiness of all members of our world family. The ceremony was conducted in the auspicious presence of Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji, Head of the Maharishi Group of Educational Institutions.

On this occasion, Brahmachari Girish Ji said, “Lord Shiva is the embodiment of the most peaceful and purest consciousness. If every person experiences this level of consciousness, it will not take long to establish ‘Heaven on Earth.’ Happiness and peace will be established everywhere, and everyone will always enjoy Bliss. The Upanishad says,

'Shivam Shantam Adwaitam.' Starting from India, these waves of Shiv consciousness will be able to establish world peace. We Indians have to bring this level of consciousness into our daily routine."

All four Rudrabhishek Poojans were telecasted live on Ramraj TV and its YouTube and Facebook channels and were watched by a large number of devotees across the world.

A large number of officials and employees of the Maharishi Organisation, along with devotees from nearby areas, participated in the Maharaudrabhishek Yagya at Maharishi Utsav Bhavan, Bhopal. Following the Yagya, Prasad was distributed to all the devotees.

For Increasing Spirituality, Devotion & Environmental Consciousness

Maharudrabhishek

Yagya at Various Maharishi Vidya Mandir Schools

Sacred Rudrabhisheks ceremonies were organised at various MVM Schools during the auspicious month of Shravan. Principals, teachers, students and staff participated with deep devotion, offering prayers to Lord Shiva for peace, prosperity, health, and the well-being of all.

The chanting of sacred mantras and traditional rituals created a serene and spiritually uplifting atmosphere across the school campuses. The programmes were conducted with the guidance of Hon'ble Chairman, MVM Schools Group, Brahmachari Girish Ji, .

These programmes generated the consciousness of Lord Shiv amongst all devotees.

MCEE Bhopal

MVM -III Jabalpur

MVM - II Bhopal

MVM -IV Jabalpur

MVM Jammu

MVM - I Raipur

Hyderabad Region

Maharishi School of Excellence (MSE), Chennai, proudly hosted the Maharishi Regional Cultural Celebration (MRCC) 2026 of Hyderabad region in online-mode from 3rd to 5th August 2026. The three-day celebration brought together nine schools from the Hyderabad region, providing a vibrant platform for students to showcase their creativity, knowledge, cultural talents and artistic excellence.

The event was conducted under the able guidance of Smt. U. Ramalakshmi, Venue Director & Principal MSE Chennai, with the valuable support and presence of National Representative Shri Yateesh Saxena, Additional Director P&A, Maharishi Vidya Mandir Schools Group.

The celebration commenced on 3rd August 2026 with the auspicious Shri Guru Parampara Pujan, invoking the blessings of Shri Guru Dev and setting a serene and spiritually uplifting tone for the three-day programme. The inauguration marked the beginning of a series of competitions that encouraged students to express their talents while remaining connected to our rich cultural heritage and Maharishi Ji's principles of knowledge and consciousness.

Throughout the three days, students from the participating schools competed in a wide range of cultural and creative events. The competitions were organised under Sub-Junior, Junior and Senior categories, ensuring opportunities for students of different age groups to participate and demonstrate their individual talents.

The online format enabled all nine schools of the Hyderabad region to participate enthusiastically. The three-day celebration concluded on 5th August 2026 with valedictory function, during which the

results of the various competitions were announced. The achievements of the students were recognised and celebrated, bringing the event to a memorable conclusion. The National Representative Director Shri Yateesh Saxena announed that team stading first in MRCC will go to Bhopal for competing in Maharishi National Cultural Celebration 2026 to be held from 24 to 26 October 2026.

The three days celebration got completed with enthusiastic singing of National Anthem.

MSE Chennai feels privileged to have hosted the MRCC 2026 – Hyderabad Region and expresses its heartfelt gratitude to Hon'ble Chairman MVM Schools Group, National Representative, participating schools, Principals, teachers, judges, coordinators, parents and students for their valuable cooperation and support in making the three-day virtual celebration a grand success. The event will remain a cherished milestone for MSE Chennai and a memorable celebration of the collective spirit of the Maharishi family.

Prayagraj Region

With divine blessings of Shri Gurudev and His Holiness Maharishi Ji and under the active guidance of Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahamchari Grish Ji, Maharishi Regional Cultural Celebration of Prayagraj region was held from 17th to 19th August 2026 at Maharishi Vidya Mandir, Hardoi. In this grand celebration, over 20 MVM schools of Prayagraj region participated with immense joy and zeal.

Shri Sukh Sagar Mishra, Hon'ble Chairman, Nagar Palika Prishad, Hardoi was the chief guest and special guests were Shri Abhay Shankar Gaur, Bureau Chief Radio Jago FM and Shri Manoj Agrawal, Manager of Shri Veni Madhav Inter College.

Students performed Shri Ganesh Vandana and welcome song to greet all dignitaries and guests. As per the tradition, the program started with Shri Guru Prampara Pujan followed by Vedic chanting by senior students. This created a sacred and harmonious environment.

The chief guest Shri Sukh Sagar Mishra expressed that "he is feeling privileged to be present on this auspicious occasion. He praised Maharishi Vidya Mandir school for nurturing students with rich cultural and moral values along with academic excellence thereby preparing them to contribute meaningfully to the nation's progress.

Principal MVM Hardoi Shri Chakresh Tripathi welcomed chief guest, special guests, judges, distinguished dignitaries with bouquets and mementos. He conveyed his greetings and appreciation to all MVM school's Principals, their teachers and staff for encouraging students of their schools to showcase their talents with full enthusiasm and zeal.

On the first day various music and dance competitions were organised. Student showcased brilliant performances in junior wind instruments, classical music vocal (Junior and Senior), group and solo singing and group and solo dance.

The second day commenced with Shri Guru Parampara Pujan followed by collective transcendental meditation (TM) practice by dignitaries, staff and students to create a peaceful and spiritual environment. Principal Shri Chakresh Tripathi welcomed the dignitaries and judges with bouquets sash (Patuka) and mementos. The day was packed with diverse literary and artistic events. Primary class students charmed the audience in the fancy dress competition, white senior students performed soul stirring melodies in classical instrument music competitions.

Students demonstrated profound devotion during the Ramcharitmanas recitation and Shrimadbhagvadgeata chanting competition across sub-junior, junior and senior categories. Simultaneously On-the-Spot Painting competition and a creative mathematics exhibition were conducted where students displayed models. The intellectual debates in Hindi, English and Sanskrit witnessed spirited arguments.

On the final day chief guest Shri Ashutosh Awasthi, Senior Journalist, Dainik Bhaskar graced the event. Students of MVM Hardoi performed impressive Yogasanas while the students of MVM Kalindipuram, Prayagraj presented a spectacular demonstration of Yogic Flying.

In his valedictory address, the chief guest appreciated Maharishi Vidya Mandir school for providing a historic platform that blended the academic performance with spiritual growth through regular practice of Transcendental Meditation.

The event concluded with the declaration of result by venue Principal Shri Chakresh Tripathi who expressed heartfelt gratitude to all the guests, judges, participating schools and committee members for making MRCC, a grand success. He announced that the first position winners will represent the region at the upcoming Maharishi National Cultural Celebration at Bhopal from 24 to 26 October 2026. The celebration completed with the National Anthems sung in unison.

Maharishi Vidya Mandir Schools Group Report

80th Independence Day Celebration

The 80th Independence Day was celebrated with great enthusiasm and patriotic fervour at all Maharishi Vidya Mandir Schools across the country. The celebrations commenced with the hoisting of the National Flag and the singing of the National Anthem, followed by Shri Guru Parampara Pujan, solemn tribute to the freedom fighters, Tiranga Yatra, patriotic songs, and vibrant cultural programmes presented by the students.

The significance of India's independence and the immense efforts, sacrifices, and struggles of the nation's citizens in attaining freedom were highlighted by the Principals and distinguished guests. On this auspicious occasion, the Principals conveyed their heartfelt greetings and read out the inspiring message of Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman, MVM Schools Group.

Teachers, students, parents, and staff members participated in large numbers, displaying a strong sense of patriotism and national pride. Their enthusiastic participation and collective spirit made the 80th Independence Day celebrations a memorable and grand success.

Celebration at various MVM Schools is depicted through the following picture gallery –

MVM Basti

MVM Fatehpur

MVM Jhunsi, Prayagraj

MVM - II, Chhatarpur

MVM - II, Jabalpur

MVM Shahdol

MVM Satna

MVM Tiruvannamalai

MVM Tiruvannamalai

MVM - III, Chhatarpur

MVM - I, Gorakhpur

MSE Chennai

MVM - III, Jabalpur

MMV Berasia

MVM Nadaun (Main)

MVM Jammu

MVM Jammu

MVM Shajapur

MVM Mankapur

MVM Mankapur

MVM Uttarkashi

MVM Nainital

MVM - II, Naini, Prayagraj

MVM - II, Naini, Prayagraj

MVM Rayagada

MVM Rudrapur

MVM Sitapur

MVM Amarpatan

MVM Yavatmal

MVM - II Aligarh

MVM - IV, Jabalpur

MVM - IV, Jabalpur

MVM - II Ayodhya Nagar, Bhopal

MVM Chhapara

MVM Chhapara

MVM Chhapara

MVM - III Guwahati

MVM - III Guwahati

MVM - II Indore

MVM - VI Jabalpur

MVM Silchar

MKH Chhindwara

MKH Chhindwara

MKH Chhindwara

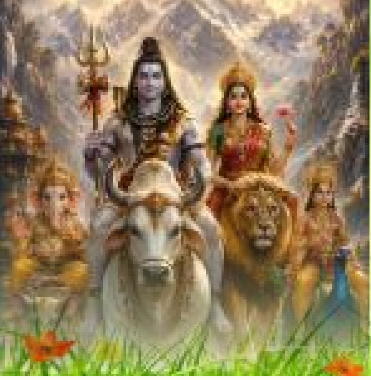

प्रकृति से तादत्म्य का उत्सव
सहस्र शीर्षा देवी मंडल
द्वारा
हरियाली तीज उत्सव का आयोजन

दिनांक 15 अगस्त 2026 को महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के मार्गदर्शन में महर्षि विश्व शांति आंदोलन की महिला शाखा सहस्र शीर्षा देवी मंडल द्वारा महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के सभी विद्यालयों में वृक्षारोपण कार्यक्रम सहित हरियाली तीज का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर माता–अभिभावकों, समस्त महिला प्राचार्याओं एवं शिक्षिकाओ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण का सुंदर संदेश दिया गया। वृक्षारोपण के साथ हरियाली तीज के उत्सव ने पूरे विद्यालय परिसर को उल्लास, उमंग और हरियाली से भर दिया। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण को हरा–भरा एवं समृद्ध बनाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण निर्मित करने का संकल्प लिया।

MSE Chennai

MSE Chennai

MVM Berasia

MVM - IV, Jabalpur

MVM Jammu

MVM Mankapur

MVM Nadaun (Main)

MVM Panna

MVM Jhunsi, Prayagraj

MVM Jhunsi, Prayagraj

MVM - II Naini, Prayagraj

MVM Rayagada

MVM Satna

MVM Shahdol

MVM Tiruvannamalai

MVM Tiruvannamalai

MVM Yavatmal

MVM Shajapur

MVM - II Ayodhya Nagar, Bhopal

MVM - VI Jabalpur

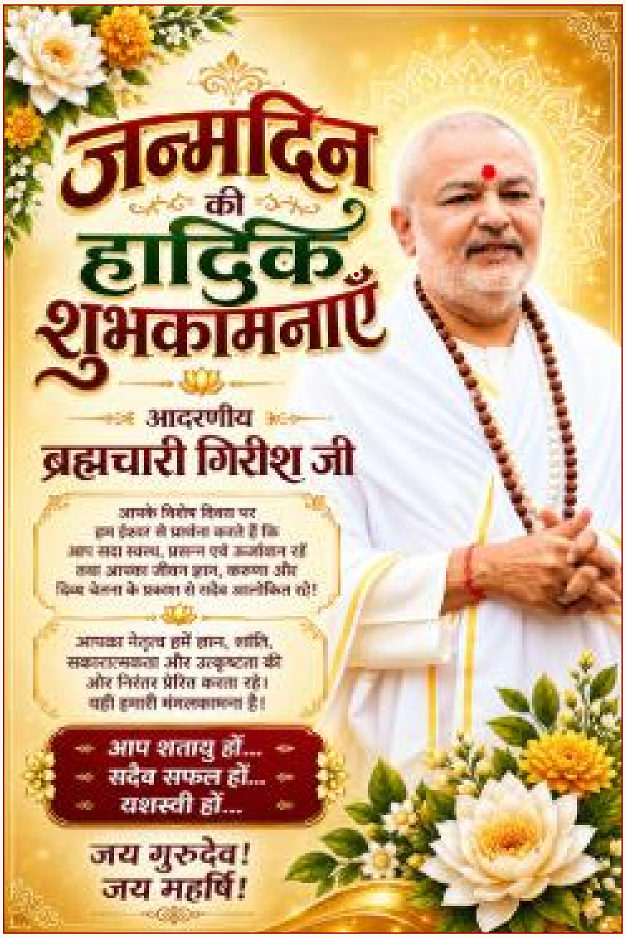

दिनांक 25 अगस्त 2026 को Maharishi World – Blissful World Plan की प्रथम वर्षगाँठ एवं महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष, वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी के पावन जन्मदिवस के अवसर पर महर्षि विश्व शांति आंदोलन एवं महर्षि आध्यात्मिक जन–जागरण अभियान के अंतर्गत विभिन्न महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों में प्राचार्यों, शिक्षकों, शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं अन्य सदस्यों ने सामूहिक सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया। सभी कार्यक्रमों का शुभारंभ गुरु परंपरा पूजन, दीप प्रज्वलन, माँ सरस्वती एवं श्री राम दरबार पूजन, वैदिक मंत्रोच्चार एवं शांति पाठ के साथ किया गया। अनेक विद्यालयों में संगीतमय सुंदरकांड, भजन, रामायण आरती तथा सामूहिक भावातीत ध्यान का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के ज्ञान एवं विश्व शांति के संदेश को जन–जन तक पहुँचाने के साथ–साथ समाज में सुख, शांति, स्वास्थ्य, सद्भाव, समृद्धि एवं उच्च चेतना का विकास करना रहा।

सामूहिक पाठ के समय सभी जनों ने वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुये उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, प्रसन्नता एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों एवं विद्यार्थियों को Maharishi World – Blissful World Plan के उद्देश्यों एवं गतिविधियों से अवगत कराया गया एवं इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की निरंतर सफलता, विद्यालय परिवार की उन्नति तथा विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की स्थापना के लिए सामूहिक मंगलकामना की गई। कार्यक्रम के अंत में आरती, ध्यान एवं प्रसाद वितरण के साथ आयोजन का समापन हुआ।

MVM Thanjavur

MVM - II Naini, Prayagraj

वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी के पावन जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का चित्रमय दर्शन –

MCEE Bhopal

MVM Chhindwara

MVM - VI, Shastri Nagar, Jabalpur

MVM Sultanpur

MVM - II Bhopal

MVM - II Bhopal

MVM Maihar

MVM - I Seoni

MVM - I Almora

MVM Amarpatan

MVM Basti

MVM - I Chhatarpur

MVM - II Chhatarpur

MVM - III Chhatarpur

MVM Chikkamgaluru

MVM Haldwani

MVM Mankapur

MVM - I Nadaun

MVM Panna

MVM Jhunsi, Prayagraj

MVM - I Raipur

MVM Rayagada

MVM Shahdol

MVM Shajapur

Events, Celebrations and Co-curricular activities organised in various Maharishi Vidya Mandir Schools

MVM Chhindwara

A delightful puppet show was organised at Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara, offering students an engaging and joyful learning experience.

Through colourful puppets, captivating storytelling and lively performances, the students were introduced to important moral values, life skills and social etiquette in an entertaining and interactive manner. The creative presentation kept the young learners engaged while encouraging them to learn through observation, imagination and enjoyment.

The activity beautifully blended education with creativity and fun, making the learning experience both meaningful and memorable for the students. The cheerful atmosphere and enthusiastic participation of the children made the puppet show a truly enjoyable and enriching experience.

To make learning joyful, practical and experiential, the Foundation class students of Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara enthusiastically participated in a 'Vegetable Market Activity' organised in the school campus.

The young learners brought variety of fresh vegetables and transformed their classroom into a vibrant marketplace. Taking on the roles of both vendors and customers, they experienced the basics of buying and selling, handling money, counting currency and making simple financial decisions. The activity helped students understand prices, transactions, money management and the importance of saving, while strengthening their mathematical and communication skills also. The hands-on experience encouraged confidence, teamwork, cooperation and social interaction in a fun-filled environment. It provided the children with an early understanding of financial literacy and essential life skills, making learning both meaningful and enjoyable. These activities were alignment with the objectives of NEP 2020.

MVM Daulatpur Chowk

In-House Teachers Training conducted in MVM Daulatpur Chowk

MVM - I Pithoragarh

महर्षि विद्या मंदिर, पिथौरागढ़ में भारतीय संस्कृति की गौरवशाली गुरु–शिष्य परंपरा के पावन पर्व गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 29 जुलाई 2026 को भव्य समारोह आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु परंपरा पूजन से हुआ। राष्ट्र की उन्नति, विश्व–शांति एवं समस्त मानवता के कल्याण की कामना के साथ वैदिक यज्ञ में आहुतियाँ अर्पित की गईं। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पिथौरागढ़ के जिला प्रचारक श्री ऋषभ जी रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं शिक्षक–अभिभावक संघ के पदाधिकारियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। उपस्थित अतिथियों ने भारतीय संस्कृति एवं वैदिक परंपराओं के संरक्षण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम का समापन वैदिक शांति–पाठ एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में गुरु–परंपरा, भारतीय संस्कृति एवं वैदिक जीवन–दर्शन के प्रति श्रद्धा और आस्था जागृत करने वाला प्रेरणादायी अवसर बना।

Three-Day Teacher training workshop was successfully conducted at MVM Pithoragarh, from 2nd to 4th August 2026. The programme was organised with the objectives of promoting the continuous professional development of teachers, effective implementation of the National Education Policy (NEP) 2020, restoration of the Indian Knowledge traditions and the integrated use of modern educational technology.

The three-day training programme provided teachers with practical exposure to innovative teaching methodologies that integrate traditional educational values with modern technologies, with a focus on quality, student-centred and value-based education.

Throughout the training programme, all the teachers participated enthusiastically in group discussions, activity-based learning, reflection sessions, and experience-sharing activities. The entire training environment was filled with a spirit of discipline, innovation, active participation, and the pursuit of knowledge.

MVM - I Gorakhpur

Investiture Ceremony: Nurturing Young Leaders

The school proudly hosted a grand and dignified Investiture Ceremony, marking the formal induction of the newly elected Student Council Members. The young leaders were presented with their badges and entrusted with their respective responsibilities. On this significant occasion, they took an oath to uphold the values of leadership, discipline, service, integrity, and patriotism.

The ceremony beautifully highlighted that leadership is not merely about holding a position, but about embracing responsibility, dedication, self-discipline, and a spirit of service. The newly appointed student leaders pledged to uphold the dignity and values of the school and to inspire their peers through their conduct, commitment, and actions.

The occasion marked an inspiring beginning towards developing confidence, leadership qualities, and a strong sense of responsibility among students. The school fraternity extended its heartfelt congratulations and best wishes to all the young leaders for a bright, successful, and fulfilling future. “Leaders are not born; they are made through dedication, responsibility, and service.”

जागरूकता से जिम्मेदारी की ओर

महर्षि विद्या मंदिर में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उनमें जीवन–मूल्यों के प्रति सजगता विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा 4 एवं 5 के विद्यार्थियों के लिए विशेष जागरूकता कक्षाओं का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्य श्री विवेक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें जीवन में अनुशासन, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के महत्व से परिचित कराया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को माता–पिता एवं शिक्षकों के प्रति सम्मान, अपने कर्तव्यों के प्रति सजगता, अध्ययन में एकाग्रता तथा समय के सदुपयोग के लिए प्रेरित किया गया। बदलते डिजिटल परिवेश को ध्यान में रखते हुए मोबाइल फोन, सोशल मीडिया एवं रील्स के संतुलित, सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति भी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि संस्कारवान व्यक्तित्व का निर्माण करना है। सही सोच, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना ही जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करती है।

यह प्रेरणादायी पहल विद्यार्थियों में आत्म–अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रही। निश्चित रूप से, ऐसे संस्कारपरक प्रयास विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला रखते हैं।

MVM - I Jabalpur

Guru Purnima Celebrated with Devotion and Spiritual Fervour

MVM - I Jabalpur celebrated Guru Purnima with deep devotion, enthusiasm and spiritual fervour, honouring the timeless Guru–Shishya traditions and the invaluable role of the Guru in guiding individuals towards knowledge, values and higher consciousness.

The programme commenced with Shri Guru Parampara Poojan and the ceremonial lighting of the lamp before the revered portraits of Jagadguru Shankaracharya Swami Brahmanand Saraswati Ji Maharaj and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji. The serene atmosphere was further enriched by the chanting of Vedic mantras, creating an ambience of reverence and spiritual harmony.

Addressing the gathering, Principal Shri Rajesh Narula highlighted the profound significance of the Guru in Indian culture. He encouraged students to respect their teachers, follow their guidance and imbibe moral and human values that contribute to a meaningful, disciplined and successful life.

MVM - II Jabalpur

Inter-School District Level Table Tennis Tournament 2026

MVM-II, Napier Town, Jabalpur, successfully hosted the Inter-School District Level Table Tennis Tournament 2026 on 17th and 18th July 2026. The tournament was inaugurated by Smt. Madhumita Hazra, District Sports Officer (DSO), who ceremonially lit the lamp and encouraged the young players with her inspiring words. The event witnessed enthusiastic participation from 15 schools and more than 150 players across the under-14, under-17 and under-19 Boys' and Girls' categories.

The Principal of MVM Napier Town, Jabalpur Shri Nilesh Pandey presented trophies and certificates to the winners and runners-up and appreciated the efforts of all participants. Addressing the gathering, the Principal said, "Such tournaments provide students with a valuable platform to showcase their talent, develop a spirit of healthy competition and strive for excellence.

MVM Jammu

Investiture Ceremony for the academic session 2026–27 on 24 August 2026

Maharishi Vidya Mandir, Jammu, held its Investiture Ceremony for the academic session 2026–27 on 24 August 2026 with great enthusiasm and dignity. The ceremony marked the formal induction of the newly elected student council and celebrated the values of democracy, discipline, leadership and responsibility.

The programme began with Shri Guru Parampara Pujan, lamp lighting and a welcome address, followed by a soulful classical performance. The Student Council, elected through a fair and transparent democratic process, was formally inducted as school Principal Dr. Vishnu Govind Verma administered the oath of office and entrusted the young leaders with their responsibilities.

The occasion was graced by Smt. Anjali Sharma, guest of honour, along with the proud parents of the Head Boy and Head Girl as special guests. The outgoing council was felicitated and awarded certificates for their dedicated services.

Addressing the students, the Principal urged the new leaders to lead by example, uphold integrity and remember that true leadership is service. The ceremony concluded with the National Anthem, leaving the young leaders inspired to serve with sincerity and dedication.

MVM Noida

In-House Teachers Training conduced in Maharishi Vidya Mandir, NOIDA

MVM - I Raipur

A heartwarming visit that transformed a school outing into a lesson in empathy, courage and inclusion

On 17 August 2026, the students of Classes III and IV embarked on a meaningful visit to Prerna Blind School, Raipur discovering a world where determination speaks louder than limitations.

The young visitors spent precious moments with the visually impaired children, exchanging smiles, conversations and friendship. As a gesture of affection, they presented chocolate hampers, adding warmth and joy to the occasion.

One of the most enriching experience was discovering the world of Braille. The students had the opportunity to see and touch Braille books and understand how visually impaired learners read and write through this unique script. What began as curiosity soon turned into admiration as they witnessed the remarkable confidence, dedication and resilience of their new friends. The visit offered lessons that no textbook could teach—that ability is not defined by sight, that kindness transcends differences and that inclusion begins with understanding. The students returned with hearts full of gratitude and a renewed appreciation for empathy, respect and compassion.

Drops of Nectar - Doubts rise due to instability of consciousness. If one establishes himself in Transcendental Consciousness– Pure Being, then doubts don't emerge. These are answered before they appear. The principle of prevention works there, which is the best principle for ideal life.

- Brahmachari Girish Ji

MVM-II Naini, Prayagraj

Empowering Young Minds, Inspiring Future Leaders - 'INVESTITURE CEREMONY 2026'

Maharishi Vidya Mandir, ADA Colony, Naini, Prayagraj proudly celebrated its Investiture Ceremony 2026, marking a significant milestone in the journey of its young leaders. The ceremony was held with enthusiasm during the morning assembly following the sacred Guru Puja, seeking the blessings of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, whose vision of knowledge, discipline and holistic education continues to illuminate the path of the school community.

The highlights of the celebration was the oath taking ceremony, as the newly elected 'Student Council Members' pledged to uphold the values of honesty, dedication, discipline and service. The Badge and Sash ceremony followed, with the Principal and teachers formally conferring the insignia of leadership upon the young representatives.

Addressing the young leaders, Principal Shri Amitesh Kumar Srivastava reminded them, "A true leader leads by example and serves with responsibility."

The ceremony concluded with the National Anthem, leaving the students inspired by a powerful message: 'Leadership is not merely a position—it is a commitment to serve, inspire and lead by example.'

Tiny tots of Maharishi Vidya Mandir, ADA Colony, Naini, Prayagraj celebrated the sacred bond of Raksha Bandhan

MVM-II, Naini, Prayagraj celebrated Raksha Bandhan through a joyful Rakhi tying activity for the young learners of Vatika I, II and III.

Adding warmth and colour to the celebration, the girls lovingly tied beautiful handmade Rakhis on the wrists of the boys. The little ones exchanged promises of love, care and protection, while teachers highlighted the timeless significance of the sacred brother-sister bond.

Principal Shri Amitesh Kumar Srivastava appreciated the teachers' efforts and blessed the students. The celebration brought smiles, affection and festive cheer to the school campus, creating a beautiful memory for the little ones.

MVM Rayagada

10 Crore Nasha Mukti Pratigya Maha Abhiyan 2026

Maharishi Vidya Mandir, Rayagada, Odisha, actively participated in the 10 Crore Nasha Mukti Pratigya Maha Abhiyan 2026 on 18 August 2026, with the noble objective of spreading awareness about the harmful effects of substance abuse and contributing towards the vision of a Drug-Free India.

On this occasion, distinguished dignitaries from Prajapita Brahma Kumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya, Rayagada, interacted with the students and enlightened them about the physical, mental and social consequences of drug addiction. Through their inspiring words, the students were encouraged to adopt a healthy, disciplined and substance-free lifestyle.

As a significant part of the campaign, all students and staff members of Maharishi Vidya Mandir took the pledge to remain free from drugs and support the vision of a Nasha Mukt Bharat.

Drawing & Essay Writing Competition

To commemorate the spirit of patriotism and celebrate Independence Day 2026, Maharishi Vidya Mandir, Rayagada, Odisha, organised Drawing and Essay Writing Competition on 11 August 2026.

The competition provided students with a creative platform to express their thoughts, ideas and feelings about the nation and the values associated with freedom. Students participated enthusiastically and showcased their creativity, imagination, writing skills and patriotic spirit. The activities encouraged students to reflect upon the significance of Independence Day while nurturing their artistic and literary talents. The enthusiasm and active participation of the students made the competitions a meaningful and enriching experience.

The winners of the Drawing and Essay Writing Competitions were felicitated during the Independence Day celebration in the school on 15 August 2026, adding a special moment of recognition and encouragement for the young achievers.

The programme successfully inspired students to express their love for the nation through creativity and words, reinforcing the values of patriotism, responsibility and pride in our country's heritage.

MVM Sagar

Three-Day CBSE Teacher Training Programme

Maharishi Vidya Mandir, Sagar, successfully organised a three-day CBSE Teacher Training (In-House Training) Programme under the Continuous Professional Development (CPD) initiative.

The sessions were conducted by Principal and Master Trainer Dr. Sunil Kumar Upadhyay and Mr. Jitendra Singh Sengar, CBSE Trainer and Senior PGT, Mahar Regiment School, Sagar. The training covered key areas including NEP 2020, Health & Wellness, Artificial Intelligence, Indian Knowledge Systems and activity-based learning through interactive sessions and audiovisual aids.

The programme began with Guru Parampara Poojan, Transcendental Meditation with enthusiastic participation from the entire staff. On the concluding day, certificates were distributed to the successful trainees.

In his closing address, Dr. Sunil Kumar Upadhyay encouraged teachers to apply their learning in their daily classroom practices and expressed gratitude to the inspiration, trainers and participants for making the programme successful.

MVM Shahdol

Empowering Educators for a Safer Digital Future - 'Capacity Building Programme on Cyber Safety and Security'

Maharishi Vidya Mandir, Shahdol organised a Capacity Building Programme on “Cyber Safety and Security” for its teachers and staff members. The programme was aimed at strengthening awareness of cyber safety in the rapidly evolving digital age and equipping educators with the knowledge and skills required for the safe, responsible, and ethical use of technology.

The programme commenced with Guru Pooja, creating a serene and auspicious atmosphere. Addressing the gathering, Dr. Bhavana Tiwari, Principal, Maharishi Vidya Mandir, Shahdol, emphasized the growing importance of staying alert and informed about cyber safety and security in today’s technology-driven world. She highlighted the significant role of teachers in guiding students towards the safe, responsible, and ethical use of digital technology.

The session was conducted by Smt. Ravita Pathak, PGT, Kendriya Vidyalaya, Rewa and Shri Ashok Mishra, TGT, Raj Hans School, Rewa who provided valuable and practical insights into various aspects of cyber safety and security. The programme proved to be informative, practical and highly relevant, providing participants with useful knowledge to address the challenges of the digital environment and promote responsible digital practices among students.

The session concluded with a vote of thanks proposed by Smt. Gayatri Sharma, expressing gratitude to the resource persons, school management, and all participants for their valuable contribution to the successful programme.

MVM - II Chhatarpur

यातायात सुरक्षा जागरूकता सेमिनार का आयोजन

पुलिस अधीक्षक छतरपुर के मार्गदर्शन तथा यातायात विभाग, छतरपुर एवं महर्षि विद्या मंदिर, नौगांव के संयुक्त प्रयास से विद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण यातायात सुरक्षा जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में छतरपुर जिले के यातायात प्रभारी श्री बृहस्पति कुमार साकेत एवं श्री आकाश गौतम ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में उपयोगी एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से समझाया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने यातायात पुलिस अधिकारियों से अपनी जिज्ञासाओं के अनुरूप विभिन्न प्रश्न पूछे। अधिकारियों ने उनके प्रश्नों के उत्तर देते हुए दुर्घटना अथवा आकस्मिक परिस्थितियों में जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियों एवं उपायों की जानकारी दी।

तत्पश्चात विद्यार्थियों ने छतरपुर यातायात विभाग द्वारा निर्मित यातायात पार्क का भ्रमण किया, जहाँ उन्हें विभिन्न यातायात सिग्नलों, सड़क संकेतों एवं यातायात नियमों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने हेलमेट एवं सीट बेल्ट का सदैव उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली। यह जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी एवं सजगता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

Glory of Alumni of MVM Schools

MVM - I Chhatarpur

महर्षि विद्या मंदिर, देरी रोड, छतरपुर की पूर्व छात्रा सुश्री आस्था दमेले ने बिहार लोक सेवा आयोग की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में हासिल की 23वीं रैंक, SDM पद पर चयनित

महर्षि विद्या मंदिर, देरी रोड, छतरपुर के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि विद्यालय की प्रतिभाशाली पूर्व छात्रा सुश्री आस्था दमेले ने बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में 23वीं रैंक प्राप्त कर अनुमंडल पदाधिकारी (SDM) के पद पर चयनित होकर विद्यालय, अपने परिवार तथा सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है।

मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले के पलेरा की मूल निवासी सुश्री आस्था दमेले ने बेहतर शिक्षा के उद्देश्य से कक्षा 7 के बाद अपने घर से दूर रहकर महर्षि विद्या मंदिर, देरी रोड, छतरपुर में अध्ययन किया। उन्होंने विद्यालय से कक्षा 10वीं एवं 12वीं की शिक्षा उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ पूर्ण की। विद्यालयीन जीवन में वे अनुशासन, अध्ययनशीलता, विनम्रता और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण के लिए सदैव जानी जाती थीं।

महर्षि विद्या मंदिर परिवार का विश्वास है कि सुश्री आस्था दमेले की यह प्रेरणादायी सफलता वर्तमान विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है। विद्यालय के प्राचार्य श्री देवांश भरतद्वाज उपाध्याय जी ने सुश्री आस्था दमेले की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रतिपादित चेतना–आधारित शिक्षा पद्धति तथा नियमित भावातीत ध्यान के अभ्यास से विद्यार्थियों में विकसित होने वाली एकाग्रता, आत्मविश्वास और संतुलित व्यक्तित्व का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनकी सफलता विद्यालय के गौरवशाली परिवार के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगी।

MVM Shahdol

महर्षि विद्या मंदिर शहडोल के पूर्व छात्र रविकेश सिंह बागरी का उप निरीक्षक (पुलिस) पद पर चयन

महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि विद्यालय के प्रतिभाशाली पूर्व छात्र श्री रविकेश सिंह बागरी, सुपुत्र श्री राकेश सिंह बागरी एवं श्रीमती अनीता सिंह बागरी, का उप निरीक्षक (पुलिस) पद हेतु आयोजित परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयन हुआ है।

श्री रविकेश सिंह बागरी ने अपनी मेहनत, लगन, अनुशासन एवं समर्पण के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर अपने परिवार, समाज, विद्यालय तथा शहडोल नगर का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि युवा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह संदेश देती है कि निरंतर परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प से निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल परिवार उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है तथा उनकी इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

News Clipping

यातायात शिविर में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

अब एआई पढ़ाएगी, शिक्षक दिखाएंगे नई राह

महर्षि विद्या मंदिर में शिक्षकों को मिला एआई का ज्ञान, तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शिक्षकों ने निखारी दक्षता

दौलतपुर चौक : प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद मौजूद शिक्षक व अन्य

दो प्रशिक्षण सत्र लिए

उन्होंने इंटीग्रेशन एंड यूज ऑफ एआई एंड कम्प्यूटेशनल थिंकिंग विषय पर दो प्रशिक्षण सत्र लिए।

स्टाफ रिपोर्टर - दौलतपुर चौक

महर्षि विद्या मंदिर में 25 घंटे का शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

महर्षि विद्या मंदिर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक • सौ. प्रबंधन

जासं, नोएडा : सेक्टर-36 स्थित महर्षि विद्या मंदिर में 27 से 30 जून तक 25 घंटे का इन-हाउस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल को सशक्त बनाना और उन्हें आधुनिक शिक्षण तकनीकों से परिचित कराना था। शिक्षा निदेशक सीपी शर्मा के मार्गदर्शन और प्रधानाचार्या डा. वीणा बहुगुणा के नेतृत्व में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक दिन की शुरुआत गुरुपूजन एवं सामूहिक भावातीत ध्यान से हुई। संगठन के चेयरमैन ब्रह्मचारी गिरीश चन्द्र वर्मा का प्रेरक वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। इस दौरान प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण-पत्र दिए गए।

पत्रिका

महर्षि यूनिवर्सिटी-गो विज्ञान केंद्र एमओयू, अनुसंधान को मिलेगा नया मंच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने के लिए महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, बिलासपुर ने गो विज्ञान अनुसंधान केंद्र, देवलापुर, नागपुर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह छत्तीसगढ़ में किसी विश्वविद्यालय द्वारा इस केंद्र के साथ किया गया पहला करार है। गो विज्ञान अनुसंधान केंद्र के सुनील मानसिंहका ने गो-आधारित संसाधनों के वैज्ञानिक अध्ययन की संभावनाएं बताईं। कुलपति नरेश तिवारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के ज्ञान का आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन समय की आवश्यकता है।

Patrika.com — बिलासपुर | 11/08/2026

नवभारत — Nyaydhani - 13 Aug 2026 - 13ny5
epaper.navabharat.news

महर्षि यूनिवर्सिटी का गो-विज्ञान अनुसंधान केंद्र से हुआ एमओयू

नवभारत रिपोर्टर। बिलासपुर।

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी ने आधुनिक दौर में गो-विज्ञान की प्रासंगिकता व संभावनाएं विषय पर संगोष्ठी की। इस दौरान गो विज्ञान अनुसंधान केंद्र, देवलापुर-नागपुर और महर्षि यूनिवर्सिटी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के अनुसार छत्तीसगढ़ में किसी विश्वविद्यालय द्वारा इस केंद्र के साथ किया गया यह पहला एमओयू है। समझौते के तहत गो-विज्ञान, गो-आधारित उत्पादों, भारतीय ज्ञान परंपरा और संबंधित विषयों पर संयुक्त अध्ययन, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन समय की आवश्यकता : डॉ. नरेश: गो विज्ञान अनुसंधान केंद्र, देवलापुर-नागपुर के सुनील मानसिंहका ने गो के पारंपरिक महत्व और गो-

आधारित संसाधनों के वैज्ञानिक अध्ययन की संभावनाओं की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेश कुमार तिवारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में उपलब्ध ज्ञान का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाएं गो-आधारित उत्पादों के नए उपयोग, मूल्य संवर्धन और संभावित आयुर्वेदिक उपयोगों पर प्रमाण-आधारित अनुसंधान करेंगी। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक गो-विज्ञान परीक्षा में भी सहयोग करेंगे।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित: छत्तीसगढ़ राज्य गोसेवा आयोग के चेयरमैन विशेषर सिंह पटेल ने महर्षि महेश योगी को छत्तीसगढ़ की धरती का गौरव बताते हुए विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। गो-विज्ञान परीक्षा के प्रांत प्रमुख सुबोध राठी ने बताया कि इस वर्ष गो-विज्ञान परीक्षा 17 जनवरी को होगी। विद्यालयों में विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में एरना सपारे, डॉ. विजय गारुडिक, डॉ. किरण श्रीवास्तव, डॉ. अमित पांडेय सहित प्रोफेसर सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार डॉ. किरण श्रीवास्तव ने व्यक्त किया और संयोजन डॉ. विजय गारुडिक ने किया।

Investiture Ceremony held with pride and honor at Maharishi Vidya Mandir A.D.A. Colony Naini

Newly elected office bearers of houses took oath of the post and responsibility

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Maharishi Vidya Mandir, A.D.A.Naini Prayagraj celebrated the Investiture Ceremony-2026 with great pride and enthusiasm in the morning assembly, right after Guru Puja on Tuesday. Captains, Vice Captains, Monitors and other office bearers of Narayan, Vashishtha, Vyas and Parashar houses were took oath of the post and responsibility.

The program began with Guru Puja, seeking the blessings of Maharishi Mahesh Yogi ji, whose vision of discipline, values and holistic education inspires our school every day. The ceremony was graced by the Principal Amitesh Kumar Srivastava and held under the guidance of Chairman, Dr.Brahmchari Girish Chandra Verma. The Principal administerd oath to the newly elected office bearers of the student council.

The main purpose of the ceremony was to honor the newly elected members of the Student Council and entrust them with leadership and responsibility. The highlight of the ceremony was the Oath Taking Ceremony. The newly appointed council members took a solemn pledge to perform their duties with honesty, dedication and sincerity for the welfare of the school.

This was followed by the Badge and Sash Ceremony. The Principal Amitesh Kumar Srivastava, alongwith teachers, pinned the badges and handed over the sashes to the new leaders.

The council includes: Head Boy - Shashwat, Head Girl - Samiksha Kesharwani, alongwith House Captains, Vice-Captains, Monitors and Prefects.

In his address, Principal Amitesh Kumar Srivastava Amitesh congratulated the Student Council and explained the significance of the Investiture Ceremony. He said that posts and badges are given to students to ensure they live up to the school's assigned positions. They should also maintain discipline at home and in society. He expressed his hope that all office bearers will live up to their positions and dignity. He said "A true leader leads by example and serves with responsibility." The ceremony concluded with National Anthem.

महर्षि विद्या मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन एवं रुद्राभिषेक संपन्न

नवभारत,शहडोल। महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तण्ड डॉ. ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में महर्षि सांदीपनि के चित्र के समक्ष विधिवत गुरु पूजन किया गया। इस अवसर पर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान आचार्य पं. हरीश कुमार मिश्रा एवं आचार्य पं. राजीव कांत मिश्रा द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी, वरिष्ठ शिक्षिका रीमा मिश्रा एवं शिक्षा विश्वकर्मा ने यजमान के रूप में पूजा-अर्चना की। गुरु पूजन एवं रुद्राभिषेक में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी श्रद्धापूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय की अकादमिक इंचार्ज कीर्ति गुप्ता, शोभा परीहा, मधु मिश्रा, सविता द्विवेदी एवं अविनाश प्रकाश राव का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय परिवार ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए गुरुजनों के प्रति सम्मान और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

www.livehindustan.com हिन्दुस्तान कानपुर, शनिवार, 16 अगस्त 2026 07

छात्रों ने कविता-भाषण से बयां की विभाजन की पीड़ा

भाषण और चित्रों के माध्यम से विभाजन की त्रासदी को बयां करते विद्यार्थी।

- महर्षि विद्या मंदिर में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हुए आयोजन
- विद्यार्थियों ने विस्थापन के अलावा संघर्ष और पीड़ा को कविता व चित्रों में उकेरा

फतेहपुर, संवाददाता। देश के विभाजन की त्रासदी, व्यापक विस्थापन और पलायन के दर्द को विद्यार्थियों ने कविता, भाषण और चित्रों के जरिए जीवंत कर दिया। गुरुवार को सीबीएसई बोर्ड से संचालित शहर के महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने 14 अगस्त 1947 के विभाजन के दौरान प्राण गंवाने वाले और विस्थापन का दर्द झेलने वाले लाखों लोगों की पीड़ा को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सामने रखा।

विद्यालय परिसर में आयोजित प्रतियोगिताओं में सीनियर वर्ग में आयोजित कविता वाचन प्रतियोगिता में कक्षा 10 की छात्रा राजश्रिता त्रिपाठी प्रथम, कक्षा नौ की [illegible] द्वितीय और कक्षा 12 की अंशिता शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में कक्षा नौ के नैतिक कुमार प्रथम, कक्षा 10 की दिव्यांशी सिंह चौहान द्वितीय और कक्षा नौ की अंशिका देवी तृतीय रहीं। ऐसे ही चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभाजन के दौरान हुए विस्थापन, संघर्ष और पीड़ा को कागज पर उकेरा।

प्रतियोगिता में कक्षा नौ की छात्रा [illegible] प्रथम, कक्षा 10 की [illegible] सिंह द्वितीय और कक्षा आठ की [illegible] तृतीय रहीं। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने अतीत के संघर्ष और बलिदान की स्मृतियों को जीवंत कर दिया।

ऐसी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े : प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आजादी का जश्न मनाने से पहले विभाजन विभीषिका के दौरान [illegible] और हिंसा से पैदा हुई त्रासदी को समझना जरूरी है। इतिहास से सीख लेकर यह संकल्प लेना चाहिए कि देश को भविष्य में कभी ऐसी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

महर्षि विद्या मंदिर में मनाया हरियाली तीज महोत्सव

झूंसी (प्रयागराज)। झूंसी स्थित महर्षि विद्या मंदिर में हरियाली तीज महोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भारतीय संस्कृति की जीवंत छटा के बीच धूमधाम से मनाया गया। महर्षि विद्या मंदिर स्कूल्स ग्रुप एवं महर्षि वर्ल्ड पीस मूवमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में सनातन संस्कृति, भारतीय परंपराओं, नारी शक्ति और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

हरियाली तीज के पावन पर्व पर विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल रहा, पारंपरिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत से परिचित कराया गया। महोत्सव में भारतीय नारी के त्याग, समर्पण और संस्कारों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही हरियाली तीज के माध्यम से प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का संदेश भी दिया गया।

आयोजन में भारतीय संस्कृति के विविध रंगों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार उपाध्याय ने कहा कि भारतीय पर्व और त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, जीवन मूल्यों और संस्कारों के जीवंत प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़ती है और उनमें भारतीय संस्कार, अनुशासन, सामाजिक समरसता एवं प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम में महर्षि महेश योगी जी के विचारों, शिक्षाओं तथा विश्व शांति के संदेश को भी स्मरण किया गया। विद्यालय परिवार ने भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं की इस समृद्ध विरासत को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने और विश्व शांति के संदेश को जन-जन तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। हरियाली तीज महोत्सव ने विद्यालय परिसर को भारतीय संस्कृति, आस्था, परंपरा और उल्लास के रंगों से सराबोर कर दिया।

महर्षि विद्या मन्दिर में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

Maharishi Vidya Mandir Sagar Successfully Conducts Three-Day CBSE In-House Teacher Training Programme

Sagar, June 10, 2026: Maharishi Vidya Mandir Sagar (CBSE Affiliation No. 1030083) successfully organized a three-day CBSE In-House Teacher Training Programme from June 8 to 10, 2026, as part of the Continuous Professional Development (CPD) initiative prescribed by the Central Board of Secondary Education (CBSE).

Under the CPD framework, CBSE has mandated 50 hours of annual training for teachers, of which 25 hours are to be conducted at the school level. In this regard, the training programme was organized with the inspiration of Brahmachari Girish Ji, Chairman of the Maharishi Shiksha Sansthan Group, and under the active guidance of Dr. J. P. Sharma, Joint Director, Directorate of Academics and Training, National Office, Bhopal.

The sessions were conducted by Dr. Sunil Kumar Upadhyay, Principal and Master Trainer, along with Mr. Jitendra Singh Sengar, CBSE Trainer and Senior PGT. The programme commenced with Guru Parampara Poojan, Transcendental Meditation, and Siddhi practices, with enthusiastic participation from the entire teaching staff.

During the three-day programme, teachers were sensitized to various contemporary themes, including the National Education Policy (NEP) 2020, Health and Wellness, Artificial Intelligence, and Indian Knowledge Systems. The sessions incorporated interactive methodologies, audiovisual aids, and activity-based learning approaches, enabling participants to engage actively and collaboratively.

Teachers demonstrated innovative and engaging teaching practices through group activities, highlighting the importance of experiential and learner-centred pedagogy.

On the concluding day, certificates were distributed to the successful participants by the Principal. Addressing the gathering, Dr. Sunil Kumar Upadhyay appreciated the commitment and active involvement of all teachers throughout the programme. He urged them to integrate the insights and practices gained during the training into their daily classroom teaching.

He also expressed his gratitude to the Chairman of the Institute, Brahmachari Girish Ji, whose inspiration made the programme possible, and thanked the trainers and participants for contributing to its successful completion.

महर्षि विद्या मंदिर में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

महर्षि विद्या मंदिर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि सरपंच कमलेश्वरी धुर्वे रहीं। प्राचार्य डा भावना तिवारी ने मुख्य अतिथि के साथ ध्वजारोहण किया। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का मंच का संचालन पायल आसवानी ने किया। प्राचार्य ने बच्चों को आजादी के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया।

ध्वजारोहण करते हुए अतिथि • नईदुनिया

महर्षि विद्या मंदिर सागर में सीबीएसई शिक्षक प्रशिक्षण का सफल आयोजन

Just to remind your goodself

Dear Readers,

We are very pleased to release 207 edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi Organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15th of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.
17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.

19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

Scan the QR code to download the e-newsletter and online subscription

e-Gyan

Monthly Digital Newsletter of Maharishi World
www.e-gyaan.net

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail cpr@mssmail.org as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/ resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site www.e-gyaan.net.

With All the Best Wishes
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

V. R. Khare
For Editorial Board,
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

Copyright © 2026 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
*All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of **Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
__Maharishi Ved Vigyan Prakashan,__ Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, __Phone:__ +91 755 4087351